"युवा और प्रकृति के अधिकार आंदोलन: सभी भावी पीढ़ियों के लिए प्रतिमान को स्थानांतरित करना"

पृथ्वी लॉ सेंटर और ग्लोबल एलायंस ऑफ़ द राइट्स ऑफ़ नेचर यूथ हब के नेतृत्व में एक घोषणा, सत्र में उपस्थित लोगों के सहयोग से

, युवा पहले IUCN में एकत्र हुए ग्लोबल यूथ समिट (अप्रैल 5-16 वीं 2021), हमारे सामान्य लक्ष्यों और मांग में बदलाव को एकजुट करने के लिए, सामूहिक सीखने और ज्ञान साझा करने में शामिल हुई।

वर्तमान मानव नृशंस प्रतिमान को एक ऐसे भविष्य में स्थानांतरित करने के लिए युवा अद्वितीय और दृढ़ क्षमता रखते हैं जिसमें मानव पूरे पृथ्वी समुदाय के साथ सामंजस्य रखते हैं।

युवा अब एक ऐसी दुनिया में पैदा हुए हैं, जो प्रदूषण से घिरी हुई है और जिसमें पृथ्वी के जीवन को सक्षम करने वाले चक्र बढ़ रहेजैसेजैसे बढ़ते संकटों से संकटग्रस्त हैंहैंपरिवर्तन,जलवायु, जैव विविधता की हानि और वैश्विक COVID महामारी।

हम मानते हैं कि बढ़ते अंतरराष्ट्रीय मानदंडों और सम्मेलनों के बावजूद, संरक्षण लक्ष्यों को पूरा नहीं किया गया है और आगे गिरावट और प्रदूषण को रोकने के लिए कार्रवाई अपर्याप्त है।

हम मानते हैं कि मानव जाति की भलाई और अस्तित्व जीवमंडल और इसके घटक पारिस्थितिक प्रणालियों और घटकों के स्वास्थ्य को बनाए रखने, संरक्षण, संरक्षण और बहाल करने पर निर्भर करता है।

हम मानते हैं कि मनुष्य धरती माता का एक हिस्सा हैं, और हमें वर्तमान मानवशास्त्रीय प्रतिमान को बदलना चाहिए जो मानता है कि पृथ्वी पर मनुष्यों का स्वामित्व और प्रभुत्व है।

हम अन्य मनुष्यों और सामाजिक और पर्यावरण न्याय आंदोलनों के साथ साझा की जाने वाली एकजुटता को पहचानते हैं, और उनके विभाजन को कम करते हुए प्रकृति, भविष्य की पीढ़ियों, स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों के अधिकारों को समान रूप से पहचानने और समर्थन करने की मांग करते हैं।

हम IUCN और अन्य संस्थानों (जैसे संयुक्त राष्ट्र सद्भाव विद नेचर प्रोग्राम) और कन्वेंशन (जैसे जैविक विविधता पर कन्वेंशन पर पोस्ट 2020 फ्रेमवर्क) के भीतर प्रकृति के अधिकारों की मान्यता का समर्थन करते हैं।

हम, इस सत्र में भाग लेने वाले युवाओं, भविष्य के विकास की दिशा में कार्रवाई और कार्यान्वयन को प्रोत्साहित करते हैं जिसमें मनुष्य और प्रकृति मौजूद हैं और एक साथ सद्भाव में पनपे हैं।

हम प्रकृति हैं। हमेशा की तरह व्यापार अब एक विकल्प नहीं है।

सहायक प्राधिकरण

अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने कई अवसरों पर प्रकृति के आंतरिक मूल्य को पहचानने वाले समग्र शासन की आवश्यकता और दक्षता को पृथ्वी न्यायशास्त्र के अनुरूप माना है। यह गतिशील कई संयुक्त राष्ट्र महासभा प्रस्तावों (जैसे ए / आरईएस / 75/220) द्वारा प्रवर्तित "हार्मनी विद नेचर" ढांचे के भीतर ही बताता है; 'प्रकृति के अधिकार' कानूनी और नीतिगत बदलाव और 20 से अधिक देशों में न्यायिक निर्णय सामने आए हैं।

2012 में IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस (WCC) में, संघ के सदस्यों ने प्रस्ताव 100 पास किया: "IUCN के निर्णय लेने में संगठनात्मक केंद्र बिंदु के रूप में प्रकृति के अधिकारों का समावेश।" इस संकल्प के भीतर, IUCN ने एक ऐसी प्रक्रिया शुरू करने का आह्वान किया, जिसमें IUCN में योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं के मौलिक और प्रमुख तत्वों के साथ-साथ अधिकारों पर IUCN की प्रकृति के अधिकार शामिल होंगे, जो "एक नए योगदान देगा" मानव कल्याण का दर्शन। "

इसके अतिरिक्त, 2008 WCC में, IUCN ने संकल्प 4.099 पारित किया, जिसमें मान्यता दी गई कि "दुनिया की भाषाओं की एक बड़ी संख्या में 'की अवधारणा के लिए एक सटीक समकक्ष की कमी हैNature'जिसका IUCN उपयोग करता है, और इसके बजाय, वे शब्द या शब्द जो वे शामिल करते हैं। मानव प्राणी, कृषि-विविधता और गैर-भौतिक क्षेत्र, जिन्हें अपने भौतिक समकक्षों की तुलना में जीवित और अक्सर प्रकृति का अधिक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है...।और 'प्रकृति' के बजाय इस्तेमाल की जाने वाली कई अवधारणाएँ अधिक समग्र हैं, और 'माँ', 'धरती माँ', 'माँ जो सभी चीजों को संभव बनाती हैं', 'सभी प्राणियों का समुदाय' 'पृथ्वी समुदाय', 'सभी का स्रोत', 'स्व-पुनर्जीवित करना', 'एंजल', या 'आत्मा'। "

इसी तरह, संयुक्त राष्ट्र विश्व चार्टर फॉर नेचर (1982) ने स्वीकार किया कि "मानव जाति प्रकृति का एक हिस्सा है" और कि "प्रकृति के साथ रहने से मनुष्य को अच्छे जीवन जीने के बेहतरीन अवसर मिलते हैं"। यह देखते हुए कि "हर जीवन रूप ... वारंट [s] भले ही इसके लायक आदमी के लिए सम्मान हो," चार्टर एक नैतिक संहिता को एक तरह से मानवीय कार्रवाई का मार्गदर्शन करने के लिए कहता है जो अन्य जीवों के साथ सम्मान का व्यवहार करता है। इसके अतिरिक्त, चार्टर यह मानता है कि निर्णय लेने की प्रक्रिया में, मनुष्य की आवश्यकताओं को केवल "प्राकृतिक प्रणालियों के समुचित कार्य को सुनिश्चित करके" पूरा किया जा सकता है।

भाषा के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ रही है, माँ पृथ्वी के प्रति हमारे नैतिक और नैतिक विचारों को निर्धारित करने में इसकी भूमिका, और हमारी धारणाएं और मूल्य कैसे संरक्षण और कानून चलाते हैं।

इसके अतिरिक्त, 2021 में, संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) ने पहली संश्लेषण रिपोर्ट जारी की, जिसका शीर्षक था: "मेकिंग पीस विथ नेचर " यह बताते हुए कि" [t] सामाजिक और आर्थिक प्रणालियों को ख़राब करने का अर्थ है, प्रकृति के साथ हमारे संबंधों को सुधारना, इसके मूल्य को समझना और रखना। हमारे निर्णय लेने के दिल में वह मूल्य। '

प्रथम IUCN यूथ ग्लोबल समिट में "युवा और प्रकृति के आंदोलन के अधिकार: सभी भावी पीढ़ियों के लिए प्रतिमान स्थानांतरण" के भागीदार: हम

मौलिक और अविभाज्य अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और आगे बढ़ाने के लिए आगे कदम उठाने की प्रतिज्ञा करते हैं। प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों; हमारे व्यक्तिगत कार्यों के साथ प्रणालीगत परिवर्तन के लिए लड़ने के लिए।

अतिरिक्त स्थान बनाने की प्रतिज्ञा करें, जो युवाओं को पर्यावरण आंदोलन में समान साझेदार के रूप में सहयोग करने की अनुमति देते हैं, यह देखते हुए कि अविकसित देशों,तक पहुंच के लिए अधिक देखभाल की आवश्यकता है हाशिए पर रहने वाले समूहों, बीआईपीओसी समुदायों और विज्ञान, कानून, अर्थशास्त्र और समाजशास्त्र सहित सभी विषयों।

प्रतिदिन खुद से पूछने की प्रतिज्ञा करें "मैंने आज प्रकृति के लिए क्या किया है।"

प्रकृति के साथ हमारे संबंध को बहाल करने के लिए काम करने की प्रतिज्ञा, जैसे प्रत्यक्ष विसर्जन के माध्यम से, शैक्षिक पहल के माध्यम से हमारे समुदायों में जागरूकता बढ़ाना, और जिस तरह से हम और प्रकृति के बारे में बात करते हैं (और बदलना)।

ले जाने की प्रतिज्ञा अधिकारों प्रकृति केको कागज़ से परे, यह बदलने के लिए कि हम प्रकृति को कैसे महत्व देते हैं और प्रकृति और भविष्य की पीढ़ियों के लिए अच्छे स्टूवर्स होने के तरीकों को सीखते हैं और लागू करते हैं, जिसमें प्रकृति के अधिकारों को लागू करने के लिए अपने स्वयं के काम, संगठनों और स्थानों को देखना शामिल है।

हमारे स्कूलों और विश्वविद्यालयों को हमारे पाठ्यक्रम में प्रकृति के अधिकारों को शामिल करने के लिए, और सभी विषयों और अध्ययनों के साथ अंतर करने के तरीके बनाने और कम उम्र में इस ज्ञान को स्थापित करने का अनुरोध करें।

हमारे कार्यों, भाषा और आयोजन में प्रतिच्छेदन होने की प्रतिज्ञा; साझा लक्ष्यों को ढूंढें और स्वीकार करें और अन्य मुक्ति आंदोलनों का समर्थन करें।

हम जिन स्वदेशी भूमि और जल पर कब्जा करते हैं, उनके बारे में और अधिक जानने के लिए प्रतिज्ञाएँ, जो उन्हें नियंत्रित करती हैं, और कैसे युवा स्वदेशीसमर्थन कर सकते हैं अधिकारों और संप्रभुता का।

लिएका उपयोग करने और बढ़ावा देने की प्रतिज्ञा समाज को सशक्त बनाने और वैज्ञानिकों को डेटा उत्पन्न करने में मदद करने केभागीदारी विज्ञान संसाधनों।

हमारी खपत और दैनिक गतिविधियों में सावधानी बरतने की प्रतिज्ञा करें, पृथ्वी समुदाय और भविष्य की पीढ़ियों पर हमारे कार्यों के प्रभावों पर विचार करने के लिए ध्यान रखें, जहां हमारे उत्पाद आते हैं, और हमारे पास विशेषाधिकार हैं।

हम, "यूथ एंड राइट्स ऑफ नैटुरके प्रतिभागीमें भाग लेते हैंईमूव्स:: सभी भावी पीढ़ियों के लिए प्रतिमान को बदलते हुए" सत्र के पहले IUCN यूथ ग्लोबल समिट:

IUCN कांग्रेस, परिषद, सदस्य संगठनों, विशेषज्ञों, आयोगों और संकल्प 100 में पहचानी गई प्रकृति के अधिकारों के लिए अपनी प्रतिबद्धताओं को लागू करने के लिए सचिवालय, उदाहरण के लिए:

- पृथ्वी न्यायशास्त्र और प्रकृति के अधिकारों के कार्यान्वयन और प्रवर्तन को प्रेरित करना और बढ़ावा देना, और ज्ञान और उपकरण उत्पन्न करना (जैसे ज्ञान साझा करने के लिए एक मंच प्रदान करना) प्रकृति / माँ पृथ्वी की एक अधिक व्यापक समझ, और उसके साथ हमारे संबंधों और जिम्मेदारियों;
    - एक पूरे के रूप में और उसके सभी रूपों में माँ पृथ्वी / प्रकृति के लिए कानूनी व्यक्तित्व के लिए वकालत करना (नदियों, महासागर, राष्ट्रीय उद्यानों आदि के लिए कानूनी अधिकार);
    - मानव अधिकारों को प्रकृति के अधिकारों के रूप में व्याख्या करना (अर्थात स्वस्थ पर्यावरण के लिए मानव का अधिकार भी स्वस्थ पर्यावरण के लिए प्रकृति का अधिकार है);
    - ऐसे तरीके बनाना और / या बढ़ावा देना, जिसमें हम प्रकृति के मूल्य को समझते हैं और उस मूल्य को हमारे निर्णय लेने के दिल में रखते हैं (प्रकृति के गैर-उपभोग्य मूल्य को शामिल करना और भावी पीढ़ियों पर लागत-लाभ विश्लेषण में प्रभाव);
    - पृथ्वी के साथ मानव जुड़ाव के संबंध में निर्णय लेना सुनिश्चित करना (और सहमति देना)द्वारा स्वदेशी कानूनी और ज्ञान प्रणालियोंसंसाधनों के उपयोग के बजाय संबंधों की समझ से उत्पन्न होता है;
    - झूठे समाधानों का प्रचार-प्रसार / विमोचन, जो प्रकृति को बाज़ार में स्थान देते हैं, ईंधन का क्षरण करते हैं, औरके मूल काऊसंबोधित नहीं करते हैंहमारी समस्याओंसेस को, जैसे REDD (जैसे कार्बन ट्रेडिंग);
    - आंतरिक रूप से आईयूसीएन की अपनी भाषा को प्रतिबिंबित करना और उसकी प्रकृति और भाषा से दूर जाने के लिए उसकी विधियों और नीतियों को अद्यतन करना, जो मानव संसाधन और सम्पत्ति के लिए पूरी तरह से प्राप्त मानव मूल्य और उपयोगिता (जैसे प्राकृतिक संसाधन, पारिस्थितिकी तंत्र सेवाओं) से भाषा के स्वभाव को पहचानने और पहचानने के लिए है। एक जीवित प्राणी / इकाई के रूप में (उदाहरण के लिए प्राकृतिक दुनिया, सभी जीवन और पृथ्वी समुदाय);
    - 1982 के वर्ल्ड चार्टर फॉर नेचर को पुनर्जीवित करना और प्राप्त करना;
    - एक पारिस्थितिक / पारिस्थितिक दृष्टिकोण (जैसे इको-क्षेत्र या बायोरेजियन) से शासन को फिर से खोलना;
    - निर्णय लेने में एक समग्र और जीवन शैली के दृष्टिकोण को शामिल करना और एहतियाती सिद्धांत और वैज्ञानिक ज्ञान और मानकों के लिए सक्रिय रोकथाम और सख्त पालन की आवश्यकता है (उदाहरण के लिए, डबियो प्रो नेचुरा में: जब संदेह में प्रकृति की तरफ, एक परिपत्र अर्थव्यवस्था, आदि।);
    - प्रकृति के अधिकारों को लागू करने और लागू करने और भविष्य की पीढ़ियों के अधिकारों को लागू करने के लिए सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाना और साझा करना, जिसमें नदियों के अधिकारों की सार्वभौमिक घोषणा और समुद्री संरक्षित क्षेत्रों के लिए पृथ्वी कानून फ्रेमवर्क शामिल हैं;
    - सभी IUCN विषयों, परिचालन क्षेत्रों और कार्यक्रम के काम में प्रकृति के अधिकारों की मान्यता और प्रवर्तन के लिए वकालत करना।
- युवाओं के लिए वैश्विक स्तर पर ज्ञान और विचारों का आदान-प्रदान करने के लिए अधिक अवसर पैदा करना। संरक्षण से संबंधित घटनाओं और परियोजनाओं में समावेशीता सुनिश्चित करना, ताकि विविध युवा शामिल हो सकें, उनकी आवाज़ों को सुनने और सम्मान देने के लिए संलग्न होने और सशक्त होने के

लिए एक स्थान हो (जैसे अतिरिक्त आभासी और मुक्त युवा शिखर सम्मेलन और युवाओं के लिए प्रकृति के अंतर्राष्ट्रीय अधिकार);

- निर्णय लेने में स्वयं युवा और प्रकृति का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना (जैसे परिषद के सदस्य, आयोग, सरकारी निकाय और संस्थान)। उचित हितधारक जुड़ाव के लिए, स्वदेशी और स्थानीय समुदायों, युवाओं और प्रकृति एचखुद को एक आवाज और उनके हितों और जरूरतों को ध्यान में रखना होगा;

- युवाओं के लिए एक आईयूसीएन कमिशन (या प्रत्येक आयोग के भीतर काम करने वाला समूह) बनाना;

- क्रॉस-कटिंग और संयुक्त पहल, घटनाओं, चर्चाओं या परियोजनाओं के माध्यम से IUCN आयोगों के साथ प्रकृति के अधिकारों के लिए एक रणनीति तैयार करना;

- प्रकृति और पृथ्वी-केंद्रित भाषा और जीवनशैली के अंतर्संबंध की शिक्षा देने के लिए, विवेक के इस अंतर को पाटने के लिए स्कूली पाठ्यक्रम डिजाइन करना; यह समझने के लिए कि हमारे उत्पाद कहाँ से आते हैं, हमारे पास स्वच्छ पानी आदि कैसे हैं;

- मोशन 056 के पारित होने का समर्थन - आगामी 2021 IUCN विश्व संरक्षण कांग्रेस में भविष्य की पीढ़ियों के लिए लोकपाल का निर्माण, और प्रकृति के लिए एक संरक्षक के रूप में इस स्थिति को बनाने पर विचार करें;

यह अनिवार्य है कि अब "जीवन के संकट" को रोकने के लिए, हमारी धारणाओं और मूल्यों को विकसित करने के लिए, जिसमें भाषा और शासन संरचनाएं शामिल हैं, जो पारिस्थितिक प्रक्रियाओं के परस्पर संबंध का प्रतिनिधित्व करती हैं और जो मनुष्य और हमारी प्रणालियों को भीतर से देखती हैं। पृथ्वी और प्राकृतिक प्रणाली। हम कृपयाकहेंगे IUCN के महानिदेशक से इस घोषणा को संयुक्त राष्ट्र के सामने रखने को।